



THE TRIBUNE

Varsity to adjust students of disaffiliated engg college

The Tribune **IMPACT**

BIJENDRA AHLAWAT
TRIBUNE NEWS SERVICE

FARIDABAD, OCTOBER 20

The JC Bose University and Science and Technology, YMCA, Faridabad, today announced to adjust or transfer all the students of Echelon Institute of Technology (EIT), Faridabad, who are admitted in and registered with the university for academic session 2017-18 and 2018-19, to its other affiliated institutes and colleges.

The move came after the announcement of disaffiliation of the EIT by the university on October 17 on charges of violation of norms. This was reported by The Tribune in its columns on Sunday.

Claiming that all the students of the EIT will be adjusted or transferred to other affiliated colleges, Dr Dinesh Kumar, VC, YMCA university, today said that a notification has been issued in this regard.

He said all the affected students of this college could apply online between October 23 and 25 through



The Echelon Institute of Technology in Faridabad.

the university website www.jcboseust.ac.in for their adjustment to other colleges or institutes affiliated to the university.

He said the decision has been taken to safeguard the future of students and to prevent any loss of their studies due to withdrawal of privilege of affiliation on account of non-compliance of affiliation norms.

A notice for the immediate transfer of all the students has been issued by the Registrar of the university, he added.

Meanwhile, the Registrar of the YMCA university also said that university was

committed to protecting the interest and future of the students registered with it despite any hurdle on part of the institution they have enrolled with. He said that the affected students could also visit the affiliation branch of the university for any assistance in connection with their transfer process.

The EIT, which has around 528 students enrolled in UG and PG courses, had come up in 2007. It is located on Kabulpur-Jasana road in the district. It has been charged with blocking inspection from the YMCA University despite being served show-cause notices this year.





PUNJAB KESARI

एफिलेशन वापस लेने से करीब 500 छात्रों का भविष्य दांव पर

फरीदाबाद, 20 अक्टूबर (ब्यूरो): जेसी बोस वाईएमसीए युनिवर्सिटी द्वारा एकलान इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कालेज से एफिलेशन वापस लेने से करीब 500 छात्रों का भविष्य दांव पर लग गया है। जिसको लेकर 2019-20 सत्र में प्रवेश पाने वाले अंडर ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट छात्रों व अभिभावकों में भारी आक्रोश है और वाईएमसीए युनिवर्सिटी व एकलान इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कालेज के खिलाफ गुस्सा है। 2007 में कबुलपुर में खुले इस कालेज में अंडर ग्रेजुएट की 480 व पोस्ट ग्रेजुएट की 48 सीटें हैं। वाईएमसीए युनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार द्वारा 17 अक्टूबर को एफिलेशन वापस लेने का पत्र जारी किया गया है। जिसके बाद छात्रों में हड़कंप मच गया है। रजिस्ट्रार द्वारा जारी पत्र में लिखा गया है कि एकलान इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कालेज युनिवर्सिटी द्वारा की जाने जरूरी निरक्षण नहीं करवाने के कारण एफिलेशन वापस ली गई है। रजिस्ट्रार के अनुसार कालेज प्रशासन को 24 व 31 मई और 5 अगस्त को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया था। लेकिन प्रशासन जरूर निरक्षण न करवाने का कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। जिसके बाद एफिलेशन वापस लेने का फैसला लिया गया है।

वाईएमसीए युनिवर्सिटी प्रशासन की मिलीभगत के कारण छात्रों का भविष्य दांव पर: अभिभावक एकता मंच हरियाणा के अध्यक्ष एडवोकेट ओ.

पी. शर्मा, महासचिव कैलाश शर्मा, संरक्षक सुभाष लांबा व जिला प्रधान डाक्टर मनोज कुमार ने का आरोप है कि वाईएमसीए युनिवर्सिटी प्रशासन की मिलीभगत से आज करीब 500 छात्रों का भविष्य दांव पर लगा है। उनका कहना है कि जब 24 मई, 2019 से पहले से ही कालेज प्रशासन जरूरी निरक्षण नहीं करवा रहा था तो उसको 17 अक्टूबर तक का समय क्यों दिया गया। अगर वाईएमसीए युनिवर्सिटी प्रशासन 5 अगस्त को दिए अंतिम नोटिस के साथ ही एफिलेशन वापस लेकर समाचार पत्रों में प्रकाशित करता तो वर्ष 2019-20 सत्र के लिए 14 अगस्त को हुए नए एडमिशन नहीं हो पाते।

अभिभावक एकता मंच ने आरोप लगाया कि युनिवर्सिटी प्रशासन ने कालेज प्रशासन को नए सत्र के लिए नए एडमिशन करने का पुरा समय दिया है। अभिभावकों ने सरकार एवं टेक्निकल एजुकेशन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव से मामले में तुरंत हस्तक्षेप करने और छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने के दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और अंडर ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट छात्रों को वाईएमसीए युनिवर्सिटी से संबंधित कालेजों विभाग वाईएमसीए में समायोजित करवाने की मांग की है। महासचिव कैलाश शर्मा व संरक्षक सुभाष लांबा ने बताया कि अगर कालेज प्रशासन व युनिवर्सिटी प्रशासन ने छात्रों को भविष्य को ध्यान में रखते हुए कोई ठोस कदम नहीं उठाए तो अभिभावक एवं छात्र सड़कों पर उतरने पर मजबूर होंगे।

छात्रों
व अभिभावकों में
भारी आक्रोश





HINDUSTAN

संबद्धता खत्म होने पर छात्रों का भविष्य अधर में

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

जेसी बोस वाईएमसीए विश्वविद्यालय की ओर से एश्लान इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से एफिलेशन वापस लेने से करीब 500 छात्रों का भविष्य दांव पर लग गया है। इससे वर्ष 2019-20 सत्र में प्रवेश लेने वाले अंडर ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट छात्रों के अभिभावकों में आक्रोश है।

जेसी बोस विज्ञान व प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (वाईएमसीए) के प्रवक्ता योगेंद्र यादव ने रविवार को प्रेसनोट जारी कर कहा है कि इसमें पढ़ने वाले विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय से संबद्ध अन्य कॉलेजों में समायोजित व स्थानांतरित करने का निर्णय लिया है। जिन छात्रों ने एश्लान इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (ईआईटी) में शैक्षणिक सत्र 2017-18 और 2018-19 में

अभिभावकों ने यूनिवर्सिटी पर लगाया आरोप

अभिभावक एकता मंच हरियाणा के अध्यक्ष अधिवक्ता ओपी शर्मा, महासचिव कैलाश शर्मा, संरक्षक सुभाष लांबा और जिला प्रधान डॉ. मनोज कुमार ने का आरोप है कि वाईएमसीए विश्वविद्यालय प्रशासन की मिलीभगत से करीब 500 छात्रों का भविष्य दांव पर लगा है। उनका कहना है कि जब 24 मई से पहले से ही कॉलेज प्रशासन जरूरी निरीक्षण नहीं करवा रहा था तो फिर 17 अक्टूबर तक का समय क्यों दिया गया। उनका कहना था कि वाईएमसीए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से 5 अगस्त को दिए अंतिम नोटिस देने के बाद एफिलेशन वापस ले लिया गया।

पंजीकृत है। ऐसे विद्यार्थी अपने दूसरे कॉलेज में समायोजन व स्थानांतरण के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.fcboseust.coc.in के माध्यम से 23 से 25 अक्टूबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

मालूम हो कि वर्ष 2007 में कबुलपुर में खुले इस कॉलेज में अंडर

ग्रेजुएट की 480 और पोस्ट ग्रेजुएट की 48 सीटें हैं। वाईएमसीए विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार ने इंस्पेक्शन के दौरान सहयोग नहीं करने पर कारण बताओ नोटिस जारी कर 17 अक्टूबर को एफिलेशन वापस लेने का पत्र जारी किया गया है। इसके बाद छात्रों में हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है

विद्यार्थियों के हित के लिए प्रतिबद्ध : कुलसचिव

वाईएमसीए के कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग का कहना है कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के हित और भविष्य की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि एश्लान इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (ईआईटी) के प्रभावित विद्यार्थी किसी भी प्रकार की जानकारी व सहयोग के लिए विश्वविद्यालय की संबद्धता शाखा से संपर्क कर सकते हैं। जबकि महासचिव कैलाश शर्मा और संरक्षक सुभाष लांबा विश्वविद्यालय को छात्रों के हित में टोस निर्णय लेने को कहा है। ऐसा नहीं करने पर आंदोलन किया जाएगा।

कि कॉलेज प्रशासन को 24 मई, 31 मई और 5 अगस्त को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। लेकिन एश्लान की ओर से निरीक्षण न करवाने का कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। इसके बाद जेसी बोस विज्ञान व प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने एफिलेशन वापस लेने का फैसला लिया गया है।



J. C. Bose University of Science and Technology, YMCAs, Faridabad
(formerly YMCAs University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.ymcaust.ac.in



GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 21.10.2019

NAVBHARAT TIMES

एश्लॉन के छात्र दूसरे कॉलेजों में होंगे शिफ्ट

■ एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : जेसी बोस यूनिवर्सिटी की तरफ से एश्लॉन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलजी के छात्रों को दूसरे संस्थानों में शिफ्ट किया जा रहा है। इसके लिए छात्र 23 से 25 अक्टूबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। बता दें कि यूनिवर्सिटी ने इस संस्थान की संबद्धता रद्द कर दी थी।

एश्लॉन इंस्टिट्यूट पढ़ने वाले छात्रों को दूसरे कॉलेज में शिफ्ट होने का मौका दिया जा रहा है। छात्र यूनिवर्सिटी वेबसाइट www.jcboseust.ac.in पर 23 से 25 अक्टूबर 2019 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग ने इस विषय में नोटिस जारी कर दिया है। जो छात्र ऑनलाइन आवेदन करेंगे, उन्हें यूनिवर्सिटी से एफिलिप्टिड दूसरे संस्थानों में शिफ्ट किया जाएगा। इसके लिए सभी संस्थानों से उनके यहां खाली सीटों की डिटेल्स मांगी गई हैं। छात्रों से भी उनकी पसंद पूछी जाएगी। कुलसचिव शर्मा ने बताया कि यूनिवर्सिटी छात्रों के हित व भविष्य की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।



AMAR UJALA

जेसी विवि संबंधी अन्य संस्थानों में पढ़ सकेंगे एश्लॉन के विद्यार्थी

अमर उजाला ब्यूरो

फरीदाबाद। जेसी बोस विश्वविद्यालय ने गांव कबूलपुर स्थित एश्लॉन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एआईटी) के विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के संबंधित अन्य संस्थानों में पढ़ने का मौका दिया है। 18 अक्टूबर को विवि ने एश्लॉन इंस्टीट्यूट पर नियमों की अनदेखी का हवाला देते हुए संबद्धता खत्म कर दी थी। ऐसे में विश्वविद्यालय से संबंधित इंस्टीट्यूट होने के कारण जिन विद्यार्थियों ने वहां दाखिला लिया था उनकी डिग्री की मान्यता खतरे में आ गई थी। छात्र हित को ध्यान में रखते हुए अब विश्वविद्यालय ने 23 से 25 अक्टूबर तक ऑनलाइन आवेदन के माध्यम से इंस्टीट्यूट को छात्रों को विश्वविद्यालय के मान्यता वाले दूसरे संस्थानों में पढ़ने का मौका दिया है। इच्छुक छात्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर तय तारीखों में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

जेसी बोस विश्वविद्यालय के

नियम अवहेलना में विवि ने एश्लॉन इंस्टीट्यूट से खत्म की थी संबद्धता

रजिस्ट्रार की ओर से जारी नोटिफिकेशन में वर्ष 2017-18 और 2018-19 में दाखिला ले चुके छात्रों को यह मौका दिया गया है। विश्वविद्यालय प्रवक्ता जितेंद्र यादव ने बताया कि बीते दो वर्षों के दौरान संस्थान की संबंधिता जेसी बोस विश्वविद्यालय से रही थी। ऐसे में इस दौरान जिन छात्रों ने इस इंस्टीट्यूट में दाखिला लिया था, विश्वविद्यालय उनकी पूरी जिम्मेदारी लेता है। शैक्षणिक सत्र 2017-18 और 2018-19 में दाखिला ले चुके छात्रों को विश्वविद्यालय से संबंधित अन्य संस्थानों में दाखिला लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। ऐसे छात्रों को दो दिन 23 से 25 अक्टूबर तक ऑनलाइन आवेदन कर संबंधित विश्वविद्यालय के अन्य संस्थानों में दाखिले का मौका दिया जाएगा।



J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email: proymcaust@gmail.com | web: www.ymcaust.ac.in



GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 21.10.2019

DAINIK BHASKAR

एश्लान इंस्टीट्यूट के स्टूडेंट दूसरे कालेजों में समायोजित होंगे छात्र विश्वविद्यालय के साथ पंजीकृत हुए थे

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

जेसी बोस यूनिवर्सिटी ने ऐसे विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय से संबद्ध अन्य कॉलेजों में समायोजित व स्थानांतरित करने का निर्णय लिया है, जो एश्लान इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलॉजी (ईआईटी) में दाखिल हैं और विश्वविद्यालय के साथ शैक्षणिक सत्र 2017-18 और 2018-19 में पंजीकृत हुए थे।

ऐसे विद्यार्थी अपने समायोजन व स्थानांतरण के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.jcboseust.ac.in के माध्यम से 23 से 25 अक्टूबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। यह निर्णय एश्लान इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलॉजी (ईआईटी) में पढ़ रहे विद्यार्थियों के भविष्य और

हितों की सुरक्षा के दृष्टिगत लिया गया है। जिससे विश्वविद्यालय द्वारा संबद्धता मानदंड पूरा न करने के कारण एश्लान इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलॉजी (ईआईटी) की संबद्धता समाप्त करने के कारण प्रभावित हुए स्टूडेंट्स का किसी तरह का कोई नुकसान न हो। विश्वविद्यालय के कुलसचिव की ओर से इस संबंध में नोटिस भी जारी कर दिया गया है। कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग के अनुसार विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के हित और भविष्य की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा एश्लान इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलॉजी (ईआईटी) के प्रभावित विद्यार्थी इस संबंध में अधिक जानकारी व सहयोग के लिए विश्वविद्यालय की संबद्धता शाखा से संपर्क कर सकते हैं।